No. 558/RT1/2011-SW 1140

Government of India Ministry of Home Affairs FFR Division (Settlement Wing)

NDCC Building, Jaisingh Road, New Delhi Dated 17 May, 2014.

To

Shri Chander Mohan s/o Shri Vimal Kumar, 463-A, 2nd Floor, Jheel Subzi Mandi, Delhi-110051.

Sub: First Appeal under RTI Act, 2005.

Sir,

Please refer to your appeal dated 03.04.2014 under the RTI Act, 2005 received in this Ministry on 23.4.2014.

- 2. I have carefully gone through the reply given by the CPIO vide letter 14.03.2014 in response to your application dated 13.02.2014. The reply given by the CPIO is correct in so far as your queries about displaced persons migrated from Pakistan are concerned. Since the payment of compensation etc. in respect of the displaced persons from Pakistan(West) were being dealt in terms of the provision of the D.P(C&R) Act, 1954, and Rules of 1955 you were replied accordingly. The DP(C&R) Act, 1954 and DP(C&R) Rules, 1955 are priced publications and the same can be had from the market or from Out-let of Govt. of India Press Publication.
- In so far as your case is concerned, it appears from the copy of the Receipt of Registration enclosed with your letter dated 06.06.2011 that Shri Purshotam Lal s/o Shri Raja Ram was a migrant from the area of POK and not from West Pakistan as such your case is not pending under the DP(C&R) Act & Rules for payment of compensation.
- 4. If your have any case pending with this Ministry, you may provide the details of your case for examining the matter by this Ministry.
- 5. You have already been requested vide this Ministry's letter dated 14.03.2014 to send the IPO drawn in favour of PAO, MHA. The IPO drawn in favour of Public Information Officer again sent to this Ministry is returned herewith with the request to send the same to this Ministry drawn in favour of 'Pay & Accounts Officer, MHA, New Delhi".

6. Accordingly, your appeal is disposed of.

Yours faithfully,

(K.K. Pathak)

Joint Secretary & 1st Appellate Authority

Copy to:-

Section Officer, Renaction MHA, North Block, New Delhi for uploading in the Ministry's website. Copy of the appeal is enclosed.

Hindi version will follow.

स्वाम, अपील प्राधिकारी / संयुम्त समिव (एफ एफ आर) एफ एफ सार प्रभाग, गृह मत्रालया, एम ही शी भाग, गृह मगल्या, एम ही शी भाग, द्वितीम तल, पड़िर्णि जिया में R.T.I. सगम निकल में शे, लाट, जी सुनमा असिकारी द्वाराजो जनात दिया गया तह भी सही न हैने देतिए महोत्या, भीतिता इस मकार है कि मैंने दिनाक 7/2/2014 वर्ता R.T. I (अमार्कार या प्रमालीप सल्जन) इस आबार पर मुझे दिनाह 14/3/2014 त पत्र संस्वा पता. सं. 36/4/2011-अत एंड ऐसे और। का पत्र मिला (प्रामिति संस्वान) में इनके द्वारा आए जेतात से सह मत नहीं हैं के प्राप्ति। प्रजन सुनना अधिकारी ने जी 3 प्रश्नों के जतान हिरी है वह ठीन नहीं है के पीकि मुखनजा देने के मी पम त कानून की डिटेलनर्ह भीर प्राम 3 में जो जम सूनमा अधिकारी विखरहें हैं कि इस मंत्रालग में जोई मामला लिमला नहीं है यह भी मिलक ल गलत कारा वाही कर जिताल दें रहे हैं क्योंकि हमारा इस मंत्रालय में मामला लिमला है और रमें आज तक कोई मुत्र वजा मही मिला है। 2) जम सूनमा अधिकारी में मेरी प्रमु 5 प्राम के जिताल में विख है कि कोई सुनाना उपलब्ध मही है। में इससे भी सहस्रानार है स्योंिक अग्रार इसके जारीलया में सूनमा उपलब्ध म ही है तो इनकी जिस कार्यलयमें यून्यना उपलब्य है वहीं स मंगता कर मुझे देनी -गाहिए थी। 3 मैंने डाक प्यर में 11र्क देकर मोहर त्यगा भारतीय पोस्टल अहि स्वरीदा था। परन्तु न जाने जन सुन्जा अधिकारी ने मैसे मेरेड प्रामी के गलान जंवाब दिये हैं ते से ही इस प्रास्टल सार्डर की भी गलन तारा रहे हैं (असली भारतीय परित्न आई संन्यन) अगमें जन यूनमा अधिकारी में मेरे 5 प्रामी में ठीक जतांन नहीं है गा है और R.T.I मियाम क्या पालन औ मही बिज्या इन पर नियम अनुसार बार्यवाही की जाए ऑर o(1200) Two in Esonales 344/201, 2000 ot 17 ?

सही जताव दिलायां आए।

भारतीय नाजप्रमोहन 31412014 नाजप्रमोहन 510 श्री होमल क्रमार, प63-A, IInd प्रलार, इतिय सक्ती मंजी, नियर में हिंग्स पिल्लिक रक्ता, दिल्ली-110051 भोन: 8860180999